मत्ती ईसोपदेश 15 : 29 - 31

गलील झील के किनारे, यीशु एक पहाड़ के किनारे बैठ गए। बहुत भारी भीड़ लंगड़ों, विकलांगों, अंधों, गूंगों और भी बहुत से दूसरों को लेकर आए। उन्होंने उन्हें उनके चरणों के समीप बैठा दिया, और उन्होंने सभी को ठीक कर दिया। भीड़ यह देखकर आश्चर्यचकित हो गई कि गूंगे बोलने लगे, अपंग फिर से पूर्ण हो गए, लंगड़े चलने लगे और अंधे देखने लगे। सबने ईश्वर का धन्यवाद किया।

सैम ने नशीली दवाओं का सेवन तब से शुरु किया जब वह 14 वर्ष का था। छह बार उसे नशीली दवाओं के उपचार केंद्र में रखा गया जब भी उसे मुक्त किया गया गया उसे "वापस" बुला लिया गया। तब उसने यीशु से सहायता के लिए प्रार्थना की "यीशु, कृपया मेरी सहायता करें!" और वह एक गिरजाघर में जाने लगा। तब से, और कोई "वापसी" नहीं हुई। जैकी पुल्लिंगर द्वारा रचित "चेज़िंग द ड्रैगन" में सैम की बहुत सारी कहानियों को बताते हैं। नशीली दवाएँ शैतान का चुंबक है। केवल यीशु ही हमें शैतान के चुंबकीय प्रभाव से बचा सकते हैं।